महत्वपूर्ण एवं खास

मजदूरों से भरा ट्रेक्टर पलटा, दस लोग घायल, चार की हालत गंभीर

ग्राम बालसमुंद के पास हुई घटना

बेमेतरा (आरएनएस)। जिले के ग्राम बालसमुंद के पास गुरुवार को मजदूरों से भरा ट्रेक्टर पलट गया। घटना में चार मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद रायपुर रेफर किया गया है। मिली जानकारी के अनुसार हादसे में गंभीर रूप से घायल मजदूर भैसा गांव के निवासी हैं। उनकी हालत बेहद नाजुक बताई जा रही है।

घायल सभी लोग मजदूरी करने के लिए बाल समुंद गांव गए थे। वहां से ट्रेक्टर में सवार होकर लौट रहे थे। इसी बीच सड़क के बीचों बीच अचानक आई गाय को बचाने के लिए ड्राइवर ने ब्रेक मारा तो ट्रेक्टर पलट गई। ट्रेक्टर में कुल बीस लोग सवार थे।

ट्रेक्टर पलटने से चालक सुनील राजपूत उम्र 28 वर्ष, जागौती बाई 45 वर्ष, पति जयसिंग, रेवती पति कोमल निर्मलकर, 25 वर्ष, गुलापा राजपूत पति भरत राजपूत व अंजु निर्मलकर 18 वर्ष गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हे रायपुर मेडिकल कालेज उपचार के लिए रेफर किया गया है। वहीं ट्रेक्टर में सवार 6 अन्य मजदूरों को भी चोट आई है। जिनका स्थानीय अस्पताल में उपचार चल रहा है।

10 मई तक सेमेस्टर परीक्षार्थियों के लिए आनलाईन फार्म भरना होगा

जगदलपुर (आरएनएस)। बस्तर विवि की सेमेस्टर परीक्षाओं के लिए छात्रों को ऑनलाइन परीक्षा फॉर्म आगामी 10 मई तक भरना होगा। इसके बाद छात्र 100 रुपए विलंब शुल्क के साथ 14 मई तक परीक्षा फार्म भर सकेंगे। इस बार एमएससी के छात्रों को परीक्षा फीस 1230 रुपए एवं एमएसडब्लू, एमए, एमकॉम, एमएससी के छात्रों को करीब 705 रुपए परीक्षा शुल्क देना होगा। इस संबंध में बविवि के जानकार सूत्रों ने बताया कि इस साल से छात्रों के लिए ऑनलाइन परीक्षा फॉर्म भरने की नई व्यवस्था शुरू हुई है।

इसके अंतर्गत वर्तमान में एमए, एमएससी, एमकॉम, एमएसडब्लू, बीएड, एमए, एमसीएए बीबीए, पीजीडीसीए, डीसीए, फारेस्ट्री, ग्रामीण प्रौद्योगिकी, एन्थ्रोपोलोजी एवं एलएलबी के अलग-अलग संकायों के लिए परीक्षा फॉर्म जारी किए जा चुके हैं। परीक्षा के संबंध में छात्र अपने कॉलेज या विवि की वेबसाइट से विस्तृत जानकारी ले सकते हैं। इसके लिए छात्रों को सबसे पहले ऑनलाइन फार्म भरने के लिए बीयू की वेबसाइट पर जाना होगा। यहां सेमेस्टर परीक्षा का विकल्प चुनाव कर जिस कक्षा की परीक्षा में शामिल होना है उसका चयन कर सकते हैं। यदि छात्र पहले से बीयू का छात्र है तो अपना पुराना नामांकन क्रमांक, रोल नंबर लॉग इन कर परीक्षा फॉर्म भर सकता है। परीक्षा फार्म भरने के बाद इसकी दो कॉपी प्रिंट कर एक कॉपी छात्र अपने पास रखेंगे और एक कॉपी पिछली कक्षाओं की अंकसूची के साथ कॉलेजों में पहुंचाएंगे।

गाज की चपेट में आने से महिला मौत

जगदलपुर (आरएनएस)। बस्तर ब्लाक के ग्राम पंचायत तारागांव की महिला रामवती 22 वर्ष जंगल में तेंदूपत्ता तोड़ने गई थी जहां आकाशीय बिजली गिरने के कारण उसकी मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार एक मई को ग्राम पंचायत तारागांव के पटेलपारा की रामवती पति हेमनाथ जंगल में गांव की अन्य महिलाओं के साथ तेंदूपत्ता तोड़ने गई थी। वापस लौटते समय अचानक तेज बारिश के साथ आकाशीय बिजली गिरी जिसके चपेट में आने से महिला की मौके पर ही मौत हो गई।

हम चुनाव लड़ेंगे और जीतेंगे भी : भूपेश बघेल

रायपुर (आरएनएस)। कांग्रेस द्वारा पाटन में आयोजित संकल्प शिविर में पीसीसी चीफ ने एक बार फिर से राज्य सरकार पर निशाना साधा है। श्री बघेल ने कहा कि पाटन का प्रत्येक नागरिक भूपेश बघेल है, वे यहां से चुनाव लड़ेंगे और जीतेंगे भी।

कांग्रेस के संकल्प शिविर में पीसीसी अध्यक्ष भूपेश बघेल, प्रदेश प्रभारी पीएल पुनिया, सहित कांग्रेस के दिग्गज नेता शामिल हुए।

इस संकल्प शिविर के दौरान भूपेश बघेल ने एक बार फिर से राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपाई अफवाह फैलाते हैं कि वे चुनाव नहीं लड़ेंगे, जबकि सच्चाई यह है कि पाटन का हर नागरिक भूपेश बघेल है और चुनाव में केवल एक भूपेश बघेल नहीं बल्कि हजारों भूपेश बघेल शामिल होंगे और चुनाव जीतेंगे भी। कांग्रेस का संकल्प शिविर दुर्ग ग्रामीण जिला के तहत पाटन में किया गया।

दुष्कर्म पीड़ित महिला/बच्चों की पहचान की गोपनीयता बनाने के निर्देश

कोरबा (आरएनएस)। कलेक्टर व अध्यक्ष जिला बाल संरक्षण अधिकारी ने छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग द्वारा दुष्कर्म पीड़ित महिला/बच्चों की पहचान की गोपनीयता बनाए रखे जाने हेतु दुष्कर्म पीड़ित महिला की पहचान का प्रकट/प्रसारित करने वालों के विरुद्ध प्रावधान अनुसार कार्यवाही करने प्रत्येक स्तर पर पहचान की गोपनीयता हेतु संबंधितों को अवगत कराने हेतु यथोचित प्रयास हेतु लेख किए जाने के निर्देश दिए गए हैं।

अस्पताल की पानी टंकी में कीटनाशक डालकर मरीजों को मारने की कोशिश

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ के बेमेतरा जिला अस्पताल में एक साथ पूरे मरीजों को जान से मारने की बड़ी खबर सामने आई है। अस्पताल की पानी टंकी में कीटनाशक डालकर मरीजों को मारने की कोशिश की जा रही थी। सफाईकर्मी जब पानी की टंकी साफ करने पहुंचा तो मच्छर मारने थैली तैरते हुए देखा तो उसके होश ही उड़ गए। इसके बाद अपनी सूझबूझ से इस बड़े कांड को होने से रोक लिया। मामले में कलक्टर महादेव कावरे के निर्देश पर अस्पताल प्रबंधन की ओर से दर्ज कराई गई शिकायत पर सिटी कोतवाली की टीम जांच में जुट गई है।

ये है पूरा मामला

रोजाना की तरह सफाईकर्मी रवि कुमार यादव बुधवार सुबह ऊपरी तल की पानी टंकियों में पानी भरते समय सौर प्लेट के पास की टंकी में पानी डालने पहुंचे तो उसे एक थैली तैरती दिखी, तो उसने तत्काल टंकी की सप्लाई बंद कर थैली की बाहर निकालकर देखा।

पैकेट को जब्त कर लिया पानी का सैंपल

पैकेट मालाटॉप नाम का कीटनाशक का था। उसने तत्काल यह जानकारी सिविल सर्जन डॉ एस.के. पाल व स्टाफ को दी। पैकेट को जब्त कर पानी का सैम्पल लिया गया। सिविल सर्जन डॉ पाल ने कलक्टर महादेव कावरे को इस मामले की जानकारी दी और फिर कलक्टर के निर्देश पर सिटी कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई। गर्मी के मौसम में करीबन सौ से ज्यादा मरीज ओपीडी में आते हैं, वहीं वर्तमान में जिला अस्पताल में 9 मरीज भर्ती हैं।

मच्छर मारने के लिए किया जाता है इस्तेमाल

मच्छर मारने का काम आता हैं मिलाथियान पानी में जिस मालाटॉप को डाला गया था, उसमें मिलाथियान नामक कीटनाशक है, जिसका इस्तेमाल मच्छर मारने के लिए किया जाता है। इसके पानी में घुलते ही पानी जानलेवा साबित हो सकता था।

सड़क निर्माण में लगे आधा दर्जन वाहनों को नक्सलियों ने किया आग के हवाले

मोदकपाल इलाके की घटना

बीजापुर (आरएनएस)। बीती रात नक्सलियों ने जिले में जमकर उत्पात मचाते हुए अपनी उपस्थिति दर्ज कराया है । जहाँ बीजापुर आवापल्ली मार्ग पर धारावरम के पास पेड़ काट कर मार्ग अवरुद्ध कर दिया है वही दूसरी ओर पुसगुड़ी में पीएमजीएसवाइ सड़क निर्माण में लगे 6 वाहनों को आग के हवाले कर दिया है ।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मोदकपाल थाना क्षेत्र के पुसगुड़ी में स्थानीय ठेकेदार द्वरा पीएमजीएसवाइ की सड़क का निर्माण कराया जा रहा था । बीती रात लगभग 11 बजे 20 से 25 की संख्या में नक्सली अचानक ठेकेदार के केम्प में पहुंच कर निर्माण कार्य मे लगे एक जेसीबी, एक रोड रोलर और चार ट्रेक्टर कुल 6 वाहनों को आग के हवाले कर दिया है, जिसके बाद नक्सलियों ने ठेकेदार के कर्मचारियों को कम नही करने की धमकी देकर वहाँ से चले गए । इस घटना की मोदकपाल थाना में रिपोर्ट दर्ज कर लिया गया है ।

मेरी शान तिरंगा है... आयोजन 6 को

रायपुर (आरएनएस)। शहर के मुक्तकाशी मंच में 6 मई को तिरंगा वन्दन मंच द्वारा मेरी शान तिरंगा है कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य देश भक्तों का सम्मान करना है।

कार्यक्रम में विशेष अथिति के रूप में देविका रोतवानी को आमन्त्रित किया गया हैं, जो कि 26/11 को मुम्बई में हुए हमले में आतंकी कसाब को सजा दिलवाने में एकमात्र चश्मदीद गवाह थीं। इस अवसर पर कसाब को बिना डरे फांसी तक पहुंचाने वाली निडर देविका रोतवानी के स्वागत-सम्मान किया जाएगा।

सामान्य ज्ञान प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु General Knowledge

-मिनान्डर ने नागसेन से बौद्ध धर्म की दीक्षा ली।

-मिनान्दर ने प्रश्न एवं नागसेन द्वारा दिए गए उत्तर एक पुस्तक के रूप में संगृहित हैं, जिसका नाम मिलिन्दपन्हो अर्थात मिलिंद के प्रश्न या मिलिन्दप्रश्न है।

- हिन्द यूनानी भारत के पहले शासक हुए जिनके जारी किये सिक्कों के बारे में निश्चित रूप से कहा जा सकता है कि सिक्के किन किन राजाओं के हैं।

- भारत में सबसे पहले यूनानियों ने ही सोने के सिक्के जारी किये।

- हिन्द यूनानी शासकों ने भारत के पश्चिमोत्तर सीमा प्रांत में यूनान की प्राचीन कला चलाई, जिसे हेलेनिस्टिक आर्ट कहते हैं। भारत में गंधार कला इसका उत्तम उदाहरण है।

- यूनानियों के बाद शक आए। शकों की पांच शाखाएं थीं और हर शाखा की राजधानी भारत और अफगानिस्तान में अलग-अलग भागों में थी।

- पहली शाखा ने अफगानिस्तान, दूसरी शाखा ने पंजाब, तीसरी शाखा ने मथुरा, चौथी शाखा ने पश्चिमी भारत एवं पांचवी शाखा ने ऊपरी दक्कन पर प्रमुख स्थापित किया।

प्रथम शक राजा मोअ था।

- शक मूलतः मध्य एशिया के निवासी थे और चरागाह की खोज में भारत आए।

- 58 ईसा पूर्व में उज्जैन के एक स्थानीय राजा ने शकों को पराजित करके बाहर खदेड़ दिया और विक्रमादित्य की उपाधि धारण की।

- शकों पर विजय के उपलक्ष्य में 58 ईसा पूर्व से एक नया संवत विक्रस संवत के नाम से प्रारंभ हुआ। उसी समय से विक्रमादित्य एक लोकप्रिय उपाधि बन गई। जिसकी संख्या भारतीय इतिहास में 14 तक पहुंच गई। गुप्त सम्राट चन्द्रगुप्त द्वितीय सबसे अधिक विख्यात विक्रमादित्य था।

-शकों की अन्य शाखाओं की तुलना में पश्चिम भारत में प्रभुत्व स्थापित करने वाली शाखा ने सबसे लम्बे अरसे तक शासन किया।

- गुजरात में चल रहे समुद्री व्यापार से यह शाखा काफी लाभान्वित हुई और भारी संख्या में चांदी के सिक्के जारी किये।

- शकों का सबसे प्रतापी शासक रूद्रदामन प्रथम था, जिसका शासन गुजरात के बड़े भाग पर था। इसने काठियावाड़ की अर्धशुष्क सुदर्शन झील का जीर्णोद्धार किया।

- रूद्रदामन संस्कृत का बड़ा प्रेमी था। उसने ही सबसे पहले विशुद्ध संस्कृत भाषा में लम्बा अभिलेख जारी किया, इसके पहले के सभी अभिलेख प्राकृत भाषा में रचित थे।

- भारत में शक राजा अपने को क्षत्रप कहते थे।

- पहल्व के बाद कुषाण आए, जो यूची एवं तोखरी भी कहलाते हैं।

- यूची नामक एक कबीला पांच कुलों में बंट गया था, उन्हीं में एक कुल के थे कुषाण।

- कुषाण वंश के संस्थापक कुजुल कडफिसेस था। इस वंश का सबसे प्रतापी राजा कनिष्क था। इनकी राजधानी पुरूषपुर या पेशावर थी। कुषाणों की द्वितीय राजधानी मथुरा थी।

- कनिष्क ने 78 ई में एक संवत चलाया, जो शक संवत कहलाता है जिसे भारत सरकार द्वारा प्रयोग में लाया जाता है।

- कनिष्क बौद्ध धर्म के महायान सम्प्रदाय का अनुयायी था।

स्वास्थ्य

सिर्फ 3 रात में सफेद बालों को हमेशा के लिए जड़ से काला कर देंगे ये 3 पत्ते

हर किसी को काले बाल बहुत पसंद होते हैं फिर चाहे वो लड़का हो या लड़की हो, अगर बाल काले हो तो खूबसूरती और भी बढ़ जाती है लेकिन आजकल के जमाने में सही तरह का खानपान न खाने की वजह से और शरीर में कैल्शियम की कमी होने की वजह से कई सारे लोगो को बाल उम्र से पहले ही सफेद हो जाते है. अपने सफेद बालों को फिर से काला करने के लिए कई सारे लोग दवाइयों का सेवन करते है लेकिन उन दवाइयों से बाल सफेद से रहते है और इसके अलावा कई सारे लोग अलग अलग तेल का भी इस्तेमाल करते है लेकिन अलग अलग तेल का इस्तेमाल करने की वजह से बाल रूखे हो जाते है और झड़ने लगते है इसीलिए आज हम आपको एक ऐसे नुस्खे के बारे में बताने जा रहे है जिसका इस्तेमाल करके आप अपने बालों को काला कर सकते है.

हर किसी को काले बाल बहुत पसंद होते है फिर चाहे वो लड़का हो या लड़की हो, अगर बाल काले हो तो खूबसूरती और भी बढ़ जाती है लेकिन आजकल के जमाने में सही तरह का खानपान न खाने की वजह से और शरीर में कैल्शियम की कमी होने की वजह से कई सारे लोगो को बाल उम्र से पहले ही सफेद हो जाते है. अपने सफेद बालों को फिर से काला करने के लिए कई सारे लोग दवाइयों का सेवन करते है लेकिन उन दवाइयों से बाल सफेद से रहते है और इसके अलावा कई सारे लोग अलग अलग तेल का भी इस्तेमाल करते है लेकिन अलग अलग तेल का इस्तेमाल करने की वजह से बाल रूखे हो जाते है और झड़ने लगते है इसीलिए आज हम आपको एक ऐसे नुस्खे के बारे में बताने जा रहे है जिसका इस्तेमाल करके आप अपने बालों को काला कर सकते है.

आज हम आपको जिस नुस्खे के बारे में बताने जा रहे है उस नुस्खे को बनाने के लिए आपको सिर्फ 2 चीज़ो की ज़रूरत पड़ेगी और वो 2 चीज़ नारियल का तेल और कड़ी पत्ता है. कड़ी पत्ता आपको बाजार में मिल जाएग और नारियल का तेल तो पहले से ही आपके घर में मौजूद होगा. आइये जानते है इस नुस्खे को बनाने का तरीका. इस नुस्खे को बनाने के लिए सबसे पहले 3 कड़ी पत्ते को मिक्सर में अच्छे से पीस कर उसका पेस्ट बना ले और अब इस पेस्ट में 3 बड़ी चम्मच नारियल का तेल मिलाये और दोनों को मिलाने के बाद इसे 10 मिनट के लिए पका दे. 10 मिनट तक पकाने के बाद इस पेस्ट को ठंडा होने के लिए रख दे और जब ये पेस्ट ठंडा हो जाये तब किसी बोतल में इसे भर कर रख ले.

रोज़ाना रात में सोने के समय इस तेल को अपने पुरे बालों में और बालों की जड़ो में अच्छे से लगाए और सुबह उठकर किसी हर्बल शैम्पू से धो लीजिये. इस नुस्खे को इस्तेमाल करने से 3 दिन में ही आपको अपने बालों में फर्क महसूस होने लगेगा और अगर आप अच्छा परिणाम चाहते है तो इस नुस्खे को 2 से 3 हफ्ते तक जरूर इस्तेमाल करे.

युवाओं के दिमाग का 'हिपोकैंपस', बढ़ रही है भूलने की बीमारी

मानसिक तनाव, टेंशन और स्ट्रेस थोड़ा बहुत सभी को होता है लेकिन जब यह ज्यादा हो जाता है, तो इससे गंभीर मानसिक और शारीरिक नुकसान होने लगते हैं। एक रिसर्च में सामने आया है कि दिमाग का वह हिस्सा जो चीजों को याद रखने का काम करता है, जिसे डॉक्टरों की भाषा में 'हिपोकैंपस' कहा जाता है, वह सिकुड़ता जा रहा है। यह समस्या यंग एज में ज्यादा पाई जा रही है। इससे भूलने जैसी बीमारियां भी हो रही हैं।

RML अस्पताल में हुई रिसर्च

इस बारे में राम मनोहर लोहिया अस्पताल के न्यूरॉलिस्ट डॉ विकास धिकव बताते हैं कि पिछले साल आरएमएल के न्यूरॉलजी विभाग ने एक रिसर्च की थी। इसमें 67 मरीजों को शामिल किया गया था। इसका मकसद यह देखना था कि कितने प्रतिशत लोग तनाव में हैं? यह दिमाग पर क्या असर करता है?? डेढ़ साल तक चली इस रिसर्च के नतीजे बेहद चिंताजनक रहे। रिसर्च में यह बात सामने आई है कि इन 67 मरीजों में से 30 प्रतिशत मरीज ऐसे पाए गए जिन्हें तनाव है। इस तनाव की वजह से उनके दिमाग का हिपोकैंपस सिकुड़ता जा रहा है।

यंग एज में भूलने की बीमारी

डॉ धिकव ने बताया कि रिसर्च में सभी मरीजों के दिमाग का एमआरआईकिया गया और एमआरआई करने के बाद उनके हिपोकैंपस को मापा गया।